Patrika (Indore), 23rd March 2022, Page-Plus 02

साझा कार्यक्रम : देश में ऐसा पहला प्रयोग

आइआइएम-आइआइटी से एक साथ लें मास्टर्स डिग्री

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. कुशल और दक्ष प्रोफेशनल तैयार करने की दिशा में शहर के दो संस्थानों ने हाथ मिलाया है। आइआइटी और आइआइएम के फैकल्टी ऑनलाइन कोर्स के जरिए डेटा साइंस के विश्लेषण से छात्रों को रूबरू कराएंगे। पहले मास्टर्स ऑफ साइंस प्रोग्राम की 900 घंटे की कक्षा, हर सप्ताह 15 घंटे के लाइव सेशन में दोनों संस्थानों के फैकल्टी से प्रतिभागियों को सीखने का मौका मिलेगा। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का यह यूनिक प्रोग्राम डेटा वैज्ञानिकों और विश्लेषकों की मांग को ध्यान में रखकर शुरू किया गया है। डेटा साइंस एंड मैनेजमेंट में दो वर्षीय मास्टर ऑफ साइंस एक ऑनलाइन कोर्स है। कोर्स का ऑनलाइन उद्घाटन आइआइएम डायरेक्टर प्रो.हिमांशु राय, आइआइटी डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी, प्रो. निलेश जैन की उपस्थिति में हुआ।

उपलब्ध डेटा को सार्थकता में बदलना जरूरी

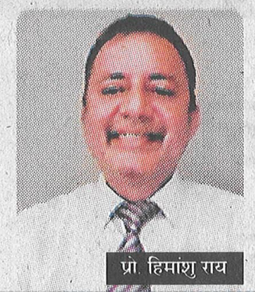

प्रो. हिमांशु राय

प्रो. हिमांशु राय ने नई बैच का स्वागत करते हुए कहा कि अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और अस्पष्टता की दुनिया में चुनौतियों से निपटने का तरीका आना चाहिए। दुनिया अस्थिरता का सामना कर रही है और इसे दूरदृष्टि रखने से ही दूर किया जा सकता है। डेटा की उपलब्धता को सार्थकता में कैसे परिवर्तित किया जाए, यही इस कोर्स की शुरुआत की वजह है। प्रो. राय ने कहा, आपको दुनिया की नई वास्तविकताओं के अनुकूल होने की जरूरत है, क्योंकि आने वाले समय में सफलता न केवल योग्यतम के लिए अपितु सबसे फुर्तीले और वातावरण के अनुसार खुद को ढालने वाले के लिए उपलब्ध होगी।

कोर्स व्यावसायिक ज्ञान और कौशल पर केंद्रित

प्रो. सुहास जोशी

आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा, कारोबार को महामारी के बाद के परिदृश्य में प्रबंधन, डेटा विज्ञान उपकरण और तकनीकों में कुशल कार्यबल की जरूरत है। यह व्यापक कोर्स व्यावसायिक ज्ञान और तकनीकी कौशल दोनों पर केंद्रित है। प्रो. नीलेश जैन ने बताया, कोर्स के चार स्तंभ में डेटा, उद्यम रणनीति, प्रौद्योगिकी और लोगों पर ध्यान केंद्रित है। यह कोर्स प्रतिभागियों को उन क्षेत्रों की पहचान कराने में सहायता करेगा, जहां डेटा विज्ञान मूल्य जोड़ सकता है और एल्गोरिदम डेवलपर्स और डेटा विश्लेषकों को जानकारी प्रदान कर सकता है। पहले बैच के लिए देश भर से 41 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है।